\*07-01-2021\* \*शिवबाबा की वाणी\*  
  
\*"मीठे बच्चे... अपनी झोली को इतना बड़ा करें की बाप जितना लुटावे उतना समा सके, नीचे नहीं गिरने देना, क्योंकि नीचे गिर गए तो वैल्यू नहीं रहेंगी।"\*  
  
अच्छा आज बापदादा के सन्मुख कौन सी सभा बैठी है? हर एक बच्चा बापदादा के दिल के करीब बैठा है। दिल के करीब और एकदम सन्मुख बैठे हैं। आज कोई भी बच्चा पीछे की सीट पर नहीं है। है...? कोई अपने आप को पीछे की सीट पर समझता है!! नहीं...। कहाँ बैठे हैं? बाप के दिल में बैठे हैं। दिलाराम के दिल में बैठे हैं। पूरी विश्व में चक्कर लगाया। ढूँढ़ के आए। कहाँ पाया!! और क्या खोया!! कहाँ मिला और कहाँ भटके !! और आज कहाँ आ करके बैठ गए। खुशी है? खुशी है ना !! कितनी खुशी है? आज बापदादा हर एक बच्चे की शिकिल को देख रहे हैं। शिकिल कौनसी? प्यार में डूबने वाली शिकिल, बच्चे क्या सोच रहे हैं, आए तो बाप से ही मिलने हैं। आशा करते हैं कि मेरा बाबा ही मिले, कोई और ना मिले। आशा....अगर प्यार सच्चा है, ढूँढने की चाहत सच्ची है तो जिसके लिए आए हैं वही मिलेंगा।  
  
आज बाप के सन्मुख हीरो बच्चे बैठे हैं। कौन? कौन बच्चे बैठे हैं? हीरो !! आज के समय में सभी बच्चों के ऊपर पूरे विश्व की दृष्टि है। सभी आप बच्चों को देख रहे हैं और देखकर क्या सोच रहे हैं ? क्या सोच रहे हैं, कि ये कुछ तो कमाल करके दिखाएंगे। ये वही फरिश्ते हैं जो पूरे विश्व में एकता लाकर दिखाएंगे। पूरे विश्व की दृष्टि किसपर है? किसपर है? आप सभी बच्चों पर है। पूरा करके दिखाएंगे ना? पक्का वायदा ! पक्का वायदा बापसे !!  
  
बाप सब बच्चों के साथ में जो वायदा करते हैं, बाप का वायदा पक्का और सच्चा होता है। क्या बच्चों का वायदा भी पक्का है? सच्चा है ना ! ये तो नहीं कहेंगे बाबा भूल गए थे, ऐसे तो नहीं कहेंगे। क्योंकि भूलने का समय गया, चलने का समय भी गया, दौड़ने का भी गया, अब कौनसा समय है? कौन सा समय है? उड़ने का ! अकेले नहीं उड़ना है। कौन-कौन चाहते हैं अकेले उड़े अकेले उड़ना अच्छा लगेंगा? तो क्या करना है? क्या करना है? सबको साथ में लेकर उड़ना है।  
  
आज सभी बच्चे कौनसे पर्वत के नीचे आए हैं? कौनसे पर्वत के नीचे आए हैं? बाप ने कौन सा पर्वत उठाया है? पूरे विश्व को परिवर्तन करने का। तो सभी तैयार है? अगर परिवर्तन के पर्वत के नीचे आ गए तो सबसे पहले कौन परिवर्तन होंगा? सबसे पहले स्वयं परिवर्तन, और स्वयं परिवर्तन से पूरा विश्व परिवर्तन होंगा।  
  
मेजॉरिटी बच्चे बाप को हर कोने में ढूँढ़ के आए हैं। जहाँ आवाज आया एक बार तो देख लेवे, क्या, कहीं मेरा ही बाबा आया हो। पर बाप उन बच्चों को क्या कहेंगा? सबसे प्यारे बच्चे ! क्यों क्यों कहेगा? कोशिश तो किया, ढूंढने गए तो सही। फिर एक कहावत है ना ढूँढने से तो भगवान भी मिलता है, तो क्या हुआ? मिल गया !! पा लिया ! अपनी छत्रछाया के नीचे ले लिया। अगर फिर भी माया की धूप अच्छी लगती है तो क्या होंगा? कई बच्चे सोचते हैं ना एक बार और ट्राई करके आवे, तो आप अपने स्थान को छोड़कर गए और आपके स्थान पर कौन आया? कौन आ गया? अनेकों बच्चे आ जायेंगे। तो क्या करना है, क्या करना है? मैं जहाँ हूँ जो हूँ, अपने बापदादा की छत्रछाया के नीचे हूँ । मुझे मेरा बाबा मिल गया। जब बाप अपना वायदा नहीं भूल सकता, तो बच्चे अपना वायदा क्यों भूले ? बाप का वायदा है ना, साथ रहेंगे, पूरा संगमयुग साथ रहेंगे और फिर साथ चलेंगे।  
  
  
भाग्यशाली बच्चे हो ना, जो इतना पाससे मिल रहे हैं। अभी थोड़े समय के बाद क्या होंगा? क्या होगा? ऐसे नहीं सोचना कि हम दूर जाएंगे, तो क्या होंगा? हम सभी को चांस देंगे। क्या देंगे? चांस देंगे ! चांस देंगे !! चांस दिया और आप बच्चों का सीट फिक्स हुआ । देखो जब घर में छोटा बच्चा आता है तो बड़ा बच्चा क्या करता है, क्या करता है? छोटे की पालना करता है ना ! ये तो नहीं सोचता कि अभी मेरे माँ-बाप को मुझसे प्यार नहीं रहा। प्यार कम हो गया है। ऐसे तो नहीं सोचेंगे। ऐसे तो नहीं सोचेंगे अभी मेरा जरूरत नहीं है। पक्का ! क्या सोचना है?  
अगर मैंने माँ-बाप की पालना लिया है, तो अब मेरा फर्ज बनता है कि अपने ही भाई बहनों का पालना करें। ठीक है ना खुश हो? बेहद !! इतने प्यारे-प्यारे रत्न बापके सन्मुख बैठे हैं। आज तो वतन में बापदादा बड़ी खुशी में झूम रहे हैं। कौनसा चिट -चैट चल रहा है? मेजॉरिटी के मेजॉरिटी अलग-अलग संकल्प है। अब बताएंगे तो बच्चों को लगेंगा वाह बाबा ! आप बैठकर यही सुनते हैं क्या ! सभी बच्चे अपने अपने तरीके से अपने अपने स्थिति अनुसार संकल्प कर रहे हैं। मेरा बाबा है मिलने आएं है... फिर थोड़ी देर में माया आती है। नहीं -नहीं पहले चेक करते हैं फिर सील लगावेंगे। हर एक बच्चे की चिट- चैट बाप वतन में सुन रहे हैं। जो सोचते हैं उन बच्चों पर भी बाप का कितना प्यार है। मेजॉरिटी पहले भी मिले हैं, पर फिर थोड़ा थोड़ा माया का हवा लग जाता है ना ! इसीलिए क्या करना है? ऐसी छत्रछाया बनाना है जो माया का हवा लगे ही ना । ठीक है? खुश है?  
  
अच्छा ब्रह्मा बाप से किन बच्चों को प्यार है।  
सबको है कितना है? अच्छा! कोई ऐसा तो नहीं बैठा कि मुझे सिर्फ शिवबाबा से प्यार है। ब्रह्मा से कोई लेना देना नहीं है। तो बाप क्या कहेंगा कि बिना ब्रह्मा तो हम भी नहीं हैं। सभी को है ना अच्छा, तो बुलावे...?? देखो अगर... एक टाइम पे एक ही आवाज आएंगा ना, दोनों एक साथ कैसे !! साथ भल आ सकते हैं, पर साथ बोल नहीं सकते ।  
  
अच्छा आज सभी बच्चे ब्रह्मा बाप के साथ सेवाओं की मीटिंग करेंगे। ठीक है !! और कोई बच्चा ये नहीं कहेंगा.... मेरे पास समय नहीं है। क्या नहीं कहेगा? (मेरे पास समय नहीं है ) क्योंकि बार-बार अगर ऐसा कोई कहेंगा ना मेरे पास समय नहीं है, तो अब उसको फुल समय दे देंगे। ठीक है ना आराम से वतन में बैठना और फुल समय लेना। ठीक है...? तो आजसे ब्राह्मण बच्चों के मुख से क्या नहीं निकलना चाहिए? "समय नहीं है" क्योंकि समय देने वाला बैठा है, नहीं है तो बतावे। है सभी के पास है, फिर ऊपर से बैठकर नींचे देखना ये सबकुछ ये हो रहा है, और मैं आराम से फ्री बैठा हूँ ठीक है।  
मैं एकदम एवरेडी हूँ , फ्री हूँ, जब मेरा बाबा कहे , जो मेरा बाबा बोले, मेरे पास फुल समय है। ठीक है ना ! सभी बच्चे खुश है ना? आज तो अपनी झोली को इतना बड़ा कर लेवे। कितना बड़ा ? इतना बड़ा करे कि बाप जितना लुटावे उतना समा सके, नींचे नहीं गिरने देना, क्योंकि नीचे गिर गए तो वैल्यू नहीं रहेंगी।  
  
\*अच्छा बच्चों ऐसे हीरो बच्चों को, ऐसे फ्री रहने वाले बच्चों को, ऐसे दिल के करीब दिल में बैठने वाले बच्चों को, बापदादा का बड़ा मीठा मीठा यादप्यार !!\*